DEBUT · BEGINNING

09



09

MAY

Ferdinando Frega

जिलेट: मई

वह महीना जो कभी नहीं चूकता

मुझ जैसा आदमी जादूगरों या चुड़ैलों पर यक़ीन नहीं करता, पर मुझ जैसा आदमी उनसे दूर रहता है और उनकी इज़्ज़त करता है — समझदारी का एक रूप, और ज़िंदा रहने की बुनियादी सहज वृत्ति।

फिर संयोग होते हैं। और जब वे एक ही पल में ढेर हो जाते हैं, तो संख्याएँ उन्हें संगम बना देती हैं। इंसानों ने इसके लिए हमेशा एक ख़ास शब्द बरता है: नियति।

मेरी नियति लगता है 61 साल से मई के महीने में ही आकार लेती आ रही है, और हर बार वह कुछ लेकर आती है — या घटनाओं का एक सिलसिला — जो मुझे यह याद दिलाना कभी नहीं भूलता कि मैं कौन हूँ।

30 मई मेरा नाम-दिवस है, संत फर्दिनांदो, एक तोहफ़ा जो ईसाई कैलेंडर ने मेरे नाम कर देना तय किया। पर यह तो बस ऊपरी सतह है।

7 मई, 51 साल पहले, एक उदास दिन था: मेरे नाना चल बसे, जिनसे मुझे गहरा लगाव था। कुछ साल बाद, 6 मई को, मेरी नानी उनके पीछे चली गईं।

मई ही वह महीना भी है जब उन्होंने मुझे चीरा और मेरी आँत से सात कार्सिनॉइड ट्यूमर निकाले। ज़िंदगी की मियाद: 30 दिन। यह सिर्फ़ बीस साल पहले की बात है।

मई मेरे मुक़दमों का महीना भी है — पंद्रह आपराधिक-प्रशासनिक मामले, पंद्रह बार बरी, क्योंकि तथ्य का अस्तित्व ही नहीं है। और जिसने जाँच करने का दावा किया था, वही था जिसने कभी कुछ जाँचा ही नहीं।

मई मेरी शादी का पहला हफ़्ता भी थी, 1993 में। चर्च ने हमें तारीख़ सात दिन पहले खिसकाने पर मजबूर किया, क्योंकि मदोन्ना के महीने में कोई शादी नहीं करता।

मेरे पिता ने मई में अपनी पार्थिव देह छोड़ी, और अपने पिता से मिलने चले गए। यही वह महीना भी था जब उन्होंने चालीस साल की सेवा के बाद जिलेट छोड़ी।

मई 1993 में मैं मैनेजर बना। मई 1996 में, टॉप मैनेजर।

और मई के साथ ही वसंत आता था — प्यार का मौसम, मेरे लिए फ़ुल टाइम। उस महीने की किसी चीज़ ने मुझे ख़ास बना दिया। किसी ने कभी विदेश मंत्रालय में शिकायत दर्ज नहीं कराई। मेरी सेवाएँ हमेशा संयुक्त राष्ट्र के मानकों के अनुरूप रहीं।

मैं अपने प्रकाशन साम्राज्य पर काम कर रहा था। मैं दो साइटें प्रकाशित करता हूँ, दोनों को दुरुस्त करता हूँ। पहली: 230 लिंक। दूसरी: सिर्फ़ 14। प्लेटफ़ॉर्म पल भर में सब निगल जाते हैं। बीस दिन बाद, दोनों साइटें बंद कर दी जाती हैं।

मैं ब्लेज़ पर एक प्रोमो कैंपेन ख़रीदता हूँ — बस एक पोस्ट, एक पन्ना, दुनिया की तरफ़ खुलती एक खिड़की। वर्डप्रेस की एक महिला मुझे 35 डॉलर के क्रेडिट तोहफ़े में देती है। मुझे मिलते हैं 1.15 लाख व्यू, 114 क्लिक, और एक सूचना: अनुमान उम्मीद से +42% ऊपर रहे।

मैं अपनी कहानियों से जिलेट नैरेटिव की पाँच आत्मकथात्मक किताबें बनाता हूँ। चौबीस घंटे बाद वे प्रकाशित हो चुकी हैं और जिलेट क्वेरीज़ के भीतर अनुक्रमित हैं, ऊपर की जगहों पर।

मैं प्रकाशन 2,432 ईबुक से घटाकर 200 कर देता हूँ। 225 भाषाओं से घटाकर 5। 325 पन्नों से घटाकर 131। मैं पाँच भाषाएँ रखता हूँ और इतालवी को — जो मेरा अपना मूल है — हटा देता हूँ, पूरे होश में, बिना झिझक।

मेरा जश्न क़रीब है, पर तोहफ़ा मैंने ख़ुद को पहले ही दे दिया: लोग कहेंगे कि मैं ठीक वही हूँ जो हमेशा रहा हूँ — ऐसा आदमी जिसकी आप उम्मीद नहीं करते।

और सब कुछ, हमेशा, इसी महीने में होता है। 61 साल से।

नांदो, लेखक